there, but they are not before the House at all.

Therefore, so far as I can think, under rule 388, the resolution is not before the House and it cannot be taken up.

Dr. L. M. Singhvi (Jodhpur): Mr. Speaker, in implementation of the very ruling you have just now given, I would urge that I be allowed to raise a question in respect of the time allocated for discussion of the Report of the Central Vigilance Commission which is before the House for the day.

Mr. Speaker: He can raise that if I allow him. When it is taken up, I will hear him.

Dr. L. M. Singhvi: I bow to your ruling.

12·36½ hrs.

PETITION *RE*. RAILWAY CONNECTION FOR BALURGHAT

Shri C. K. Bhattacharyya (Raiganj): I beg to present a petition signed by 7,640 petitioners of Balurghat sub-division in West Dipajpur District, West Bengal, regarding railway connection for Balurghat for which they have been urging since the partition of the district as a result of the partition of the country.

12.37 hrs.

POINT *RE*. BANARAS HINDU UNIVERSITY

Mr. Speaker: Dr. Lohia had written to me about so many things. Now also he has written to me. What does he want?

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल बिल्कुल

सीधा है कि बनारस में विश्वविद्यालय का नाम काशी विश्वविद्यालय है अथवा बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी। यहां पर श्री रघुनाथ सिंह ने जो कुछ कहा और श्री प्रधान मन्त्री ने जिस ढंग का रवैया लिया, उससे बहुत गलतफहमी फैली है, और जिस आधार पर हम यहां इकट्ठे हुए है वह आधार खत्म होता है क्योंकि इस विश्वविद्यालय का हिन्दी नाम हमेशा से, जब से यह सन् 1916 में बना, अब तक काशी विश्वविद्यालय रहा है।

अध्यक्ष महोदय : यह बात तो बहस में आयेगी जब हम इस बिल को फिर लेंगे। अगर कोई गलतफहमी पैदा हुई है तो उस वक्त दूर हो जायेगी। यह बिजिनेस अभी हमारे सामने नहीं है।

डा० राम मनोहर लोहिया : यह बात श्री रघुनाथ सिंह जी ने . . .

अध्यक्ष महोदय : आर्डर, आर्डर।

डा० राम मनोहर लोहिया : यह तो आप कसम तुड़वा रहे हैं न। इसे देखिये कि मन्त्री महोदय इस पर युद्ध करवा रहे हैं, गृहयुद्ध करवा रहे है।

अध्यक्ष महोदय : आप जरा बैठ जाइये। मेरी बात पहले सुन लीजिये। मेरे पास तार आया, in an unusual manner, exceptional manner, which certainly he should never resort to. उसका मैंने हाउस में जिक्र कर दिया कि मेरे पास डाक्टर लोहिया ने तार भेजा है कि वहां जो तमाम ईंट लगी हैं उन पर सिर्फ काशी विश्वविद्यालय लिखा हुआ है, उनमें हिन्दू नाम नहीं है। लेकिन उसके कहने की इस वक्त जरूरत नहीं थी। जिस दिन चर्चा चल रही थी उसी वक्त श्री रघुनाथ सिंह ने कहा कि वह इसको गलत साबित करेंगे, वह एक ईंट लाये है, और उनके पास एक ब्रिक थी भी। वह उसी वक्त चाहते थे लेकिन मैंने उस वक्त इस को मना कर दिया कि यह वक्त इस सवाल को उठाने का